प्रेस विज्ञप्ति
20/04/2024

प्रवर्तन निदेशालय) ईडी(, मुंबई जोनल कार्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय ब्रोकरों नामतः ऑक्टा एफ ट्रेडिंग ऐप और वेबसाइट www.octafx. comके माध्यम से अवैध ऑनलाइन विदेशी मुद्रा व्यापार के मामले में चल रही जांच के हिस्से के रूप में मुंबई , चेन्नई ,कोलकाता और दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम) पीएमएलए(, 2002के तहत18 /04/ 2024 को तलाशी अभियान चलाया है। तलाशी अभियान के दौरान ,2.7 करोड़ रुपये की बैंक धनराशि जब्त कर ली गई है और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज ,डिजिटल उपकरण पाए गए हैं और जब्त कर लिए गए हैं।

ईडी ने ऑक्टा एफ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से विदेशी मुद्रा व्यापार की आड़ में उच्च रिटर्न का झूठा प्रलोभन दिखाने और लोगों को ठगने में शामिल होने के लिए कई व्यक्तियों के खिलाफ पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की।.

ईडी की जांच से पता चला कि OctaFx ऑनलाइन ट्रेडिंग ऐप और वेबसाइट भारत स्थित इकाई मेसर्स OctaFx इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से भारत में काम कर रही है। उक्त ऐप) OCTAFX (और इसकी वेबसाइट को विदेशी मुद्रा व्यापार में डील करने के लिए RBI द्वारा अधिकृत नहीं किया गया है। इस विदेशी मुद्रा ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को सोशल नेटवर्किंग साइटों पर व्यापक रूप से प्रचारित किया जाता है और यह उपयोगकर्ताओं को अपने प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए रेफरल-आधारित प्रोत्साहन मॉडल का पालन कर रहा है। जांच में यह सामने आया है कि विदेशी मुद्रा व्यापार की सुविधा की आड़ में धन इकट्ठा करने के लिए OctaFx ट्रेडिंग ऐप/www.octafx.com पर निवेशकों/उपयोगकर्ताओं को विभिन्न भारतीय बैंकों के कई खाते दिखाए जा रहे थे। यह भी पता चला है कि OctaFx ने अपने प्लेटफॉर्म पर दिखाई जाने वाली व्यापारिक गतिविधियों और सूचनाओं में हेरफेर किया है ,जिसके परिणामस्वरूप अंततः व्यापारियों को कुल नुकसान हुआ है। इन निवेशकों/उपयोगकर्ताओं को धोखा देने के बाद उक्त संचित धनराशि को कई ई-वॉलेट खातों या डमी संस्थाओं के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया गया था। इस तरह , मेसर्स ऑक्टाएफएक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ,मेसर्स ऑक्टाएफएक्स और उनकी संस्थाओं ने विदेशी मुद्रा व्यापार की आड़ में निवेशकों को धोखा दिया है और भारतीय क्षेत्र से 500 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ कमाया है। इन निधियों का एक हिस्सा फर्जी संस्थाओं की मदद से जटिल लेनदेन के जाल के माध्यम से फैलाया गया और फर्जी माल ढुलाई सेवाओं ,सेवाओं के आयात आदि की आड़ में विदेशों में इसकी संबंधित संस्थाओं को भेजा गया।

अब तक की गई जांच और पहचानी गई अपराध की आय के आधार पर ,क्रिप्टो मुद्राओं ,बैंक शेष ,सोने के सिक्कों आदि के रूप में 35 करोड़ रुपये की संपत्ति ईडी द्वारा कुर्क की गई थी।

तलाशी अभियान में चार्टर्ड अकाउंटेंट और पेशेवरों के एक नेटवर्क का पता चला, जो प्रेषित धन के फर्जी प्रमाण पत्र देते थे और ऐसे धन के भंडारण के लिए बैंक खातों/कंपनियों को सुविधा प्रदान करते थे। यह भी पता चला है कि डमी संस्थाओं के खाता नंबरों को प्रतिबिंबित करने, इन खातों में एकत्र किए गए धन का प्रबंधन करने और उसी के डायवर्जन की पूरी प्रक्रिया स्पेन, रूस, जॉर्जिया और दुबई में स्थित OctaFx समूह संस्थाओं के मालिकों द्वारा प्रबंधित और संचालित की जा रही है। मैसर्स OctaFx ने OctaFx ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के संचालन और भारतीय नागरिकों को OctaFx के माध्यम से विदेशी मुद्रा व्यापार में निवेश करने के लिए प्रेरित करने के लिए स्पेन/रूस में काम करने वाले कई भारतीय व्यक्तियों को भी काम पर रखा है।

आगे की जांच जारी है।